पाठ्यक्रम - 2021-22

विषय - हिंदी, कक्षा – नौवीं
अध्याय - 14 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

'पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड' द्वारा निर्धारित व्याकरण-पुस्तक के अनुरूप
मई' 2021 के पाठ्यक्रम के अनुसार

भाग – क	भाग – ख
1. प्रदीप ने कक्षा में प्रथम आने के लिए बहुत मेहनत की।	1. प्रदीप ने कक्षा में प्रथम आने के लिए आकाश-पाताल एक कर दिया।
2 परीक्षा खत्म होने के बाद वह निश्चिंत होकर सो रहा है।	2. परीक्षा खत्म होने के बाद वह घोड़े बेचकर सो रहा है।
3. नौ साल के बच्चे को दसवीं के सवाल हल करते देखकर मैं हैरान रह गया।	3. नौ साल के बच्चे को दसवीं के सवाल हल करते देखकर मैंने दाँतों तले उँगली दबा ली।

****

'उपर्युक्त उदाहरणों में ' भाग -क ' के वाक्य साधारण तरीके से तथा ' भाग - ख ' के वाक्य विशेष तरीके से कहे गये हैं। इसी कारण ' भाग - क ' के वाक्य ' भाग - ख ' के वाक्यों की अपेक्षा अधिक सशक्त और प्रभावशाली हैं।

'मुहावरे' का शाब्दिक अर्थ और परिभाषा

'मुहावरा' शब्द मूल रूप से अरबी भाषा का शब्द है जिसका शाब्दिक अर्थ है - 'रूढ़ वाक्यांश'। अतः मुहावरे शाब्दिक अर्थ की अपेक्षा अपने रूढ़ अर्थ को प्रकट करतें हैं।

परिभाषा :- ऐसे वाक्यांश जो विशेष अर्थ का बोध कराते हैं, मुहावरे कहलाते हैं।

लोकोक्ति

- निम्नलिखित वाक्य को ध्यान से पढ़िए :-

यह कैसे हो सकता है कि रमेश ने कुछ न किया हो और सुरेन्द्र ने उसकी पिटाई कर दी क्योंकि सब जानते हैं कि एक हाथ से ताली नहीं बजती।

उपर्युक्त वाक्य में वक्ता कहना चाहता है कि झगड़ा दोनों तरफ से हुआ होगा अर्थात् सुरेन्द्र ने रमेश की पिटाई यूं ही नहीं की। उसने इस बात को सिद्ध करने के लिए लोक में प्रचलित उक्ति 'एक हाथ से ताली नहीं बजती' को आधार बनाया अर्थात् जिस तरह एक हाथ से ताली नहीं बज सकती उसी प्रकार झगड़े का कारण एक व्यक्ति नहीं अपितु दोनों है।

लोकोक्ति की परिभाषा

परिभाषा :- लोक में प्रचलित उक्ति को लोकोक्ति कहते हैं।

इसमें किसी अप्रस्तुत कथन के सहारे प्रस्तुत अर्थ को उजागर किया जाता है। लोकोक्ति एक पूर्ण वाक्य के रूप में प्रयुक्त होती है। इसके किसी भी शब्द को परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।

मुहावरे और लोकोक्ति के प्रयोग की आवश्यकता

भाषा के प्रयोग में अपने भावों एवं विचारों की अभिव्यक्ति को अधिक प्रभावशाली औव रुचिकर बनाने के लिए मुहावरे तथा लोकोक्तियों की बहुत उपादेयता है। इनके प्रयोग से भाषा में सरसता, सहजता, गति और विलक्षणता आदि गुण स्वयं ही आ जाते हैं।

मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर	
1. मुहावरे का प्रयोग वाक्यांश रूप में होता है। मुहावरा पूरा वाक्य न होकर वाक्य के अंग के रूप में प्रयोग होता है।	1. लोकोक्ति का प्रयोग वाक्य में स्वतंत्र रूप से होता है। लोकोक्ति अपने आप में पूरा है तथा वाक्य में उसकी अलग सत्ता है विद्यमान है।
2. मुहावरों में लिंग, वचन आदि के अनुसार परिवर्तन संभव है।	2. लोकोक्तियों में परिवर्तन संभव नहीं। इसके किसी भी शब्द को घटाया या बढ़ाया नहीं जा सकता और न ही किसी शब्द को आगे-पीछे किया जा सकता है।
3. मुहावरे केवल भाषा में सजीवता और चमत्कार उत्पन्न करते हैं ।	3. लोकोक्ति का प्रयोग वक्ता/ लेखक अपनी बात के समर्थन के लिए करता है।
4. मुहावरे आमतौर पर 'ना' अंत वाले होते हैं।	4. लोकोक्ति के लिए यह आवश्यक नहीं है।

5. मुहावरे में आमतौर पर क्रिया, दशा आदि की अभिव्यक्ति होती है।	5. लोकोक्ति में कोई न कोई सच्चाई या अनुभव छिपा रहता है।

****

लोकोक्तियाँ (1 से 20 तक)	
1	अंत भले का भला (भला करने वाले का भला होता है) : सबके सुख-दुःख में काम आने वाले देवेंद्र सिंह को अचानक चार लाख रुपये की आवश्यकता पड़ी तो उसके दफ़्तर के सह-कर्मचारियों ने मिलकर चार लाख रुपये का प्रबंध कर दिया। सच है, अंत भले का भला।
2	अधजल गगरी छलकत जाए (कम गुण वाला व्यक्ति दिखावा बहुत करता है) : गोपाल बातें तो ऐसी करता है जैसे वह अंग्रेज़ी में बहुत माहिर है पर वास्तव में जब वह अंग्रेज़ी बोलता है तो अनेक गलतियाँ करता है। सच है, अधजल गगरी छलकत जाए।
3	अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गई खेत (समय निकल जाने पर पछताने से क्या लाभ) : सारा साल तुम पढ़े नहीं और फेल हो गए। अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गई खेत।
4	आँखों देखी मक्खी नहीं निगलते (जान बाझूकर कोई बुरा या हानिकारक काम नहीं करते) : जब पता चल ही गया है कि तुम्हारा लड़का नशेड़ी है, तो अब यह शादी नहीं होगी क्योंकि आँखों देखी मक्खी नहीं निगलते।
5	आँवले का खाया और बड़े का कहा बाद में सीख देता है (आँवला खाने में कसैला और बड़ों की शिक्षा सुनने में कड़वी ज़रूर लगती है पर दोनों का फायदा भविष्य में पता चलता है) : अभी तो तुम्हें अपने माता-पिता की बातें कड़वी लगती हैं किन्तु भविष्य में जाकर इनकी बातों की कीमत पता चलेगी, क्योंकि आँवले का खाया और बड़े का कहा बाद में सीख देता है।
6	आम के आम गुठलियों के दाम (दोगुना लाभ) : सतिंद्र सिंह नौकरी के लिए इंटरव्यू देने आगरा गया था और साथ ही ताजमहल भी देख आया। इसे कहते हैं - आम के आम गुठलियों के दाम।

7	आग लगने पर कुआँ खोदना (मुसीबत पड़ने पर ही प्रयत्नशील होना) : सारा साल आवारागर्दी करते रहे अब परीक्षा सिर पर आ गई तो पढ़ना शुरु कर दिया। किसी ने सच ही कहा है आग लगने पर कुआँ खोदना।
8	ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया (सभी एक समान नहीं होते) : शीला का बड़ा बेटा तो दसवीं की परीक्षा में पूरे ज़िले में प्रथम आया है किंतु छोटा बेटा आठवीं में फेल हो गया। सच है ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया।
9	ऊँची दुकान फीका पकवान (केवल ऊपरी दिखावा करना) : शहर के बीचों बीच एक दुकान बहुत बड़ी थी और उसके बाहर लिखा था –"यहाँ बढ़िया कपड़े मिलते हैं"। पर सारी दुकान देख ली और देखा कि सारा घटिया दर्जे का माल था। सच है, ऊँची दुकान फीका पकवान।
10	एक हाथ से ताली नहीं बजती (अकेला व्यक्ति झगड़े का कारण नहीं होता) : देखो, तुमने भी कुछ ज़रूर कहा होगा तभी तो रामपाल ने तुमसे झगड़ा किया है– एक हाथ से ताली नहीं बजती।